खबर संक्षेप

पहाड़ से गिरे युवक की हुई मौत

उमरिया। जिले के बड़ी तुम्मी की पहाड़ी से युवक के गिरने से मौत हो गई है। यह घटना रविवार की शाम को हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और काफी प्रयास के बाद युवक की लाश को तलाश लिया। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मृतक युवक का नाम लखन सिंह पिता रावेंद्र सिंह उम्र 18 वर्ष है। यह युवक शहडोल जिले के गोहपारू थाना अंतर्गत ग्राम मोहतरा का रहने वाला था। युवक अपने कई साथियों के साथ बड़ी तुम्मी की पहाड़ी पर घूमने के लिए गया था। यहां युवक अलग-अलग स्थान पर वीडियो कैमरे से फोटो खींच रहे थे और वीडियो बना रहे थे। इसी बीच दुर्घटना का शिकार होने वाला युवक काफी ऊंचाई पर स्थित पहाड़ के किनारे पर पहुंच गया और वहां सेल्फी लेने लगा। इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह पहाड़ से नीचे गिर गया। घटना की जानकारी बाद में पुलिस को दी गई और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद कर लिया है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से की चर्चा, जानी उनकी रूचि और सपने

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में कक्षा 6 एवं 9 वीं के विद्यार्थियों से मुलाकात कर चर्चा की। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से पढाई, रूचियों, और भविष्य के सपनों के बारे मे जाना। छात्रा रीया रजक ने कलेक्टर द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मुझे आई.टी. विषय में रूचि रहती है। कलेक्टर ने विद्यार्थियो से विद्यालयो में दी जा रही किताबे, साइकिले एवं गणवेश वितरण व इंटरनेट जैसी अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने विद्यार्थियो को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अपने सपनो को पूरा करने के लिए लगन और कड़ी मेहनत के साथ पढाई करें। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, सहायक कलेक्टर सुश्री सौम्या आनंद, डीपीसी अमरनाथ सिंह उपस्थित रहें।

नशे के दुष्यप्रभावो के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

शहडोल। नशा छोडने से शारीरिक, मानसिक और सामजिक लाभ होते है। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। नशा मुक्ति समाज बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना होगा, नशा से होने वाले दुष्यप्रभावो के बारे में स्वयं जागरूक रहे और दूसरो को भी जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शहडोल जिले के समस्त थाना क्षेत्रांतर्गत 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाकर लोगो को नशे के दुष्यपरिणामो के बारे में जागरूक किया जा रहा है, तथा नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई जा रही है। कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशीली वस्तुओं के सेवन से रोकने के लिये प्रेरित करने के साथ ही जागरूक किया गया।

भाजपा विधायक शरद कोल ने उठाया विधानसभा में सवाल, जल्द बड़े खुलासे के संकेत

शहडोल शिक्षा विभाग में पेंट घोटाला बना राष्ट्रीय मुद्दा

शहडोल। शिक्षा विभाग से जुड़ा बहुचर्चित 'पेंट घोटाला' अब प्रदेश की सीमाएं लांघकर राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया है। करोड़ों की शैक्षणिक राशि के दुरुपयोग और बच्चों के अधिकारों की अनदेखी को लेकर भाजपा विधायक शरद कोल ने विधानसभा में सवाल उठाया है। उन्होंने जांच की मांग करते हुए पूरे मामले को अंजाम तक पहुंचाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है। जिले में शिक्षा विभाग में सामने आया बहुचर्चित 'पेंट घोटाला' अब तूल पकड़ चुका है। यह मामला अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। करोड़ों की शिक्षा राशि में हुई लूट और बच्चों के अधिकारों की अनदेखी ने शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक शरद जुगलाल कोल ने इस पूरे प्रकरण को न केवल गंभीरता से लिया है, बल्कि इसे विधानसभा में तारांकित प्रश्न के रूप में भी उठाया है। विधायक ने न केवल पेंट घोटाले की जांच की मांग की, बल्कि पिछले 10 वर्षों में शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों - जिला शिक्षा अधिकारी, आदिवासी विकास विभाग और जिला शिक्षा केंद्र के माध्यम से खर्च की गई समस्त राशि का ब्योरा मांगा है।

केंद्र व राज्य सरकार की छवि बिगाडने की साजिश?

भ्रष्टाचार की इस कड़ी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की मंशा को झुठलाने की कोशिश की है। विधायक शरद कोल ने स्पष्ट किया है कि सरकार भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति रखती है और अगर कोई भी अधिकारी इसमें दोषी पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। विधायक ने कहा कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है और इसके नाम पर कोई भी लूट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैंने विधानसभा में प्रश्न पूछकर साफ कर दिया है कि इस पूरे मामले को हम अंजाम तक ले जाएंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधानसभा में उठाया गया सवाल- पूरी जांच की मांग

1. वित्तीय विवरण - वर्ष 2015-16 से 2024-25 तक जिले के सभी हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों को कितनी राशि प्राप्त हुई?

2. उपयोग और मरम्मत - इन राशियों से किए गए मरम्मत कार्यों और खरीदी गई सामग्री का विवरण।
3. सत्यापन - इन कार्यों और सामग्री की जांच किन अधिकारियों ने और कब की?
4. भुगतान प्रक्रिया-संबंधित बिल, भुगतान विधि, एजेंसी, आर.टी.जी.एस./चेक/नगद जैसे विवरण मांगे गए हैं।

भ्रष्टाचार का पैटर्न - सिर्फ पेंट नहीं, कई योजनाओं में गोलमाल

केवल पेंट घोटाला ही नहीं, बल्कि इस जांच के जरिए अब अन्य निर्माण, सामग्री खरीदी, और विभिन्न छात्र योजनाओं के अंतर्गत खर्च की गई राशि पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। माना जा रहा है कि यह भ्रष्टाचार करोड़ों रुपये तक पहुंच सकता है, जो जिले के शिक्षा अधिकारियों और अन्य जिम्मेदार विभागीय अफसरों की मिलीभगत से किया गया।

भाजपा की मंशा साफ-दोषियों पर गिरेगी गाज

शरद कोल ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अब मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार किसी भी सूरत में भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण नहीं देती। यदि इस मामले में किसी भी स्तर के अधिकारी दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर कार्रवाई होगी और जनता को न्याय मिलेगा।

क्या हो सकता है आगे? जल्द होगा बड़ा खुलासा

सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में लोकायुक्त या ईओडब्ल्यू द्वारा प्रारंभिक जांच शुरू की जा सकती है। अगर विधायक के सवालों का जवाब समय पर नहीं मिला या उत्तर अस्पष्ट रहा, तो यह मामला आगे कोर्ट या हाई लेवल कमेटी तक भी पहुंच सकता है। शिक्षा विभाग में पनपा यह भ्रष्टाचार अब शिक्षा से जुड़ी नीतियों और सरकारी तंत्र की पारदर्शिता को लेकर एक कठोर परीक्षण साबित हो सकता है। भाजपा विधायक शरद कोल की पहल ने यह दिखा दिया है कि सरकार जवाबदेही से नहीं भागेगी। आने वाले दिनों में इस पूरे प्रकरण में कई नाम सामने आ सकते हैं और एक बड़ा प्रशासनिक खुलासा होने की पूरी संभावना है।

रिटायर्ड महिला के खाते से सात लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

यू-ट्यूब से सीखी साइबर ठगी की तरकीब, मोबाइल, पासबुक व नकदी बरामद

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना पुलिस ने एक बड़ी साइबर ठगी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक रिटायर्ड महिला के बैंक खाते से करीब साढ़े सात लाख रुपये की धोखाधड़ी कर निकाले थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेन्द्र उर्फ मोहित सिंह गोंड और पुष्पराज सिंह गोंड के रूप में हुई है। मामले की शुरुआत 4 जुलाई को हुई जब मनेन्द्रगढ़ (छत्तीसगढ़) निवासी सेवानिवृत्त महिला सेमला बाई ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके बचत खाते से सात लाख से अधिक रुपये धोखाधड़ी कर निकाले गए हैं। शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए जैतपुर पुलिस ने साइबर सेल की मदद से जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल हुए मोबाइल नंबर, सिम कार्ड, बैंक खातों और यूपीआई आईडी की जानकारी जुटाई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी महेन्द्र उर्फ मोहित सिंह गोंड को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से 1 लाख 10 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, पासबुक और एटीएम कार्ड जब्त किए गए। आरोपी से पूछताछ के बाद उसके साथी पुष्पराज सिंह गोंड को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी महेन्द्र ने यू-ट्यूब से वीडियो देखकर ठगी की योजना बनाई थी। दोनों आरोपियों ने महिला के दस्तावेज और सिम कार्ड का दुरुपयोग कर उसके नाम से यूपीआई आईडी तैयार की और फिर कियोस्क बैंकिंग सेंटर के माध्यम से खाते से रकम निकाल ली। पुलिस अभी दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और बाकी की राशि की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। इस पूरे ऑपरेशन में जैतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक, प्रधान आरक्षक मो. जाहिद, आरक्षक जयेंद्र सिंह, सोनू दुबे, विजय कुमार महरा, एवं साइबर सेल प्रभारी सत्यप्रकाश मिश्रा की अहम भूमिका रही।पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा टीम को इस सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा पत्र देने की अनुशंसा की गई है। पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने बैंक दस्तावेज और सिम कार्ड की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

नवनियुक्त अध्यक्ष सी.एम. मेहानी व सचिव डॉ. देवेन्द्र श्रीवास्तव ने ग्रहण किया कार्यभार

रोटरी क्लब विराट शहडोल का पदस्थापना समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

शहडोल। रोटरी क्लब विराट शहडोल का वार्षिक पदस्थापना समारोह अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में होटल सिटी स्टार में आयोजित हुआ। इस समारोह में सामाजिक सरोकार से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों, रोटरी परिवार के सदस्यों एवं नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी रो. भ्रातृप्रात सिंह चौधरी उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष रो. धनश्याम जायसवाल एवं डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन से रो. अरविंद पसरिचा की सहभागिता उल्लेखनीय रही।समारोह में रो. सी.एम. मेहानी ने अध्यक्ष एवं डॉ. देवेन्द्र श्रीवास्तव ने सचिव के रूप में वर्ष 2025-26 के लिए कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व अध्यक्ष रो. सुशील खोडियार ने बीते वर्ष की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्लब की सेवा यात्रा की सराहनीय झलक साझा की।

इस अवसर पर क्लब के नव सदस्यगण को सदस्यता बैज पहनाकर सम्मानित किया गया, जिनमें रो. श्रीकांत शर्मा, रो. नवीन नायडू, रो. अजय चेलानी, रो. प्रीतम सोनी, रो. अशोक बचवानी, रो. अशोक माधवानी, रो. गोपाल निगम, रो. संजय मिश्र, रो. किशोर श्रीवास्तव एवं रो. रमीत सिंह शामिल रहे।समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया। इनमे पुष्पेन्द्र खरे (वृक्षारोपण), नमन राजपूत (एडवेंचर ट्रिप साइक्लिंग), राजेश तिवारी (पर्यावरण सेवा), शेखर ढंड (सत्य साईं सेवा संस्थान), विकास जोतवाणी (गौसेवा), रमीत सिंह (सांझी रसोई), डॉ. टी.एन. चतुर्वेदी (थालासेमिया जागरुकता), मनोज गुप्ता (समाजसेवा), तीसा जसूजा (एमपी बोर्ड में उच्च रैंक), और प्रशांत खर्या (होम्योपैथ एवं समाजसेवी) को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन दिलीप अग्रवाल व दीपक गौतम ने किया तथा स्वागत भाषण नरेश सिंघल ने दिया। समारोह में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए एवं रोटरी फाउंडेशन में सर्वाधिक अंशदान करने वाले सदस्यों—रो. अनिल संपाल, रो. अशोक बजाज, रो. अशोक सराफ, रो. सी.एम. मेहानी, रो. संजय रोहरा, एवं रो. सुशील खोडियार—का विशेष सम्मान हुआ।समारोह का समापन राष्ट्रगान एवं रात्रिभोज के साथ हुआ। इस अवसर पर रो. अशोक सराफ, रो. जनसुखलाल चावड़ा, रो. दीपक गौतम, रो. देवेंद्र थारवानी, रो. दिलीप जानवानी, रो. जसबीर सिंह, रो. लखन बुचवानी, रो. नरेश सिंघल, रो. रमीत सिंह सहित क्लब के कई सक्रिय सदस्यों की सहभागिता सराहनीय रही। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब विराट शहडोल की समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और जनकल्याण की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

हाथियों ने बुढार में मचाया तांडव, कई परिवार बेघर, अब लौटे अनूपपुर के जैतहरी मार्ग पर

वन विभाग ने शुरू की क्षति का आकलन, मुआवजे की प्रक्रिया होगी शुरू

शहडोल। जिले के बुढार वन परिक्षेत्र में दोबारा लौटे चार हाथियों के दल ने बीते दो दिनों तक जमकर तांडव मचाया, जिससे कई ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हरदी गांव में हाथियों ने खेत में बने मकानों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे एक पूरा परिवार बेघर हो गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें परिवार के सदस्य—महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग—टूटे हुए घर के सामने अपनी बची-खुची वस्तुओं के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही उनकी टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त मकानों व वस्तुओं का पंचनामा तैयार किया गया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि नुकसान का आकलन राजस्व विभाग को भेजा जाएगा, जो मुआवजे की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा।

गौरतलब है कि ये हाथी कुछ दिन पहले शहडोल वन परिक्षेत्र से बुढार की ओर आए थे और बाद में अहिरगवां होते हुए वापस लौट गए थे। लेकिन बीते शनिवार की रात यह दल पुनः बुढार क्षेत्र में लौट आया और लगातार दो दिनों तक उत्पात मचाया। सोमवार तडके लगभग 4 बजे यह हाथी अनूपपुर जिले की सीमा में प्रवेश कर गए और वर्तमान में अकुवा गांव पहुंचे हैं, जो बुढार वन परिक्षेत्र की सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित है। बुढार के रेंजर सलीम खान ने बताया कि अब यह हाथी अनूपपुर के जैतहरी की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी सूचना संबंधित वन अधिकारियों को दे दी गई है। स्थानीय निवासियों में भय का माहौल व्याप्त है। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से शीघ्र राहत और पुनर्वास की मांग की है। इधर वन विभाग का कहना है कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा की दृष्टि से सतर्कता बरती जा रही है। वन विभाग और राजस्व विभाग के बीच समन्वय से पीड़ितों को यथाशीघ्र मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके।

खिलाड़ी रूचिनुसार खेल का चयन कर जूनून और उत्साह के साथ खेलें: कलेक्टर

कलेक्टर ने 24 युवा कोचों को वितरित किया प्रमाण पत्र

शहडोल। जिले में फुटबाल खेल के प्रति युवाओं में अधिक रूचि ली जा रही है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम विचारपुर में हर परिवार से युवा नियमित रूप से फुटबाल की प्रैक्टिस करते हैं। फुटबाल खेल को बढ़ावा देने के लिए रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट द्वारा खिलाडियों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट शहडोल द्वारा आयोजित छह दिवसीय एआईएफएफ डी-लाइसेंस फुटबॉल प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि हर खेल का अपना महत्व है, कोई भी खेल छोटा या बड़ा नही है, खिलाडिय़ो को रूचि के अनुसार खेल का चयन कर जनून और उत्साह के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहडोल के विचारपुर के खिलाडिय़ो द्वारा फुटबाल खेल के प्रति जूनून सराहनीय है, यहां के छोटे छोटे बच्चे फुटबाल का खेल खेलते है और वर्तमान में ग्राम विचारपुर मिनी ब्राजील के नाम से अपना पहचान बनाया है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा कोच ही अच्छे खिलाड़ी बना सकता है। शहडोल में फुटबॉल के लिए अनुकूल माहौल और उत्साह हैं, यहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलेंगे जो राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर शहडोल जिले का नाम रोशन करेंगे।

सी.एस.आर. हेड राजीव श्रीवास्तव ने शहडोल जिले विशेषकर आदिवासी समुदाय के युवाओं में उनकी शारीरिक क्षमता के अनुरूप फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा यूथ स्पोर्ट्स और एआईएफएफ के सहयोग से प्रशिक्षित कोच तैयार कर प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक शिवा कुमार वरदराज, रिलायंस सीबीएम लाइजन हेड श्री बिजित झा, श्री राजेश वर्मा सहित फुटबाल कोचो ने भी अपने-अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम में सहायक संचालक खेल (एन आई एस) फुटबॉल कोच, रईस अहमद ने बताया कि यह प्रशिक्षण 15 से 20 जुलाई 2025 तक रिलायंस क्लब हाउस एवं विचारपुर खेल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ग्रासरूट्स फुटबॉल कोच के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें इस योग्य बनाना है कि वे जिले की नई पीढ़ी को आधुनिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण देकर फुटबॉल में ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले 24 युवा कोचों को प्रमाण पत्र वितरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शमीम द्वारा किया गया।

बाण सागर बांध में जल स्तर नियंत्रित, सभी गेट बंद कर स्थिरता कायम

प्रशासन और सिंचाई विभाग स्थिति पर रखे हुए हैं सतत निगरानी

शहडोल। जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बाणसागर बांध में जल स्तर में आई कमी के बाद सभी खुले रेडियल गेट्स को बंद कर दिया गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्तमान में बांध का जल स्तर 338.63 मीटर दर्ज किया गया है। यह निर्णय जल स्तर को स्थिर बनाए रखने और बांध की संरचनात्मक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांध की अधिकतम भराव क्षमता 341.64 मीटर निर्धारित है, जबकि हाल ही में जल स्तर 339.96 मीटर तक पहुंच गया था। जल स्तर में गिरावट के बाद स्थिति का तत्काल मूल्यांकन करते हुए मुख्य अभियंता गंगा कार, रीवा के निर्देशानुसार प्रशासन और सिंचाई विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर सभी गेट बंद कर दिए। यह कदम न सिर्फ बांध की सुरक्षा के लिए जरूरी था, बल्कि डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में संभावित जल प्रवाह के खतरों को भी टालने में मददगार साबित हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, गेट बंद करने की यह प्रक्रिया पूरी तरह से तकनीकी मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत की गई। बांध की निगरानी के लिए एक समर्पित टीम द्वारा 24 घंटे निगरानी की जा रही है, जो जल स्तर, मौसम की स्थिति और संभावित आपात परिस्थितियों का विश्लेषण कर रही है। स्थानीय प्रशासन और सिंचाई विभाग का दावा है कि वर्तमान में बांध की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और किसी भी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। बाणसागर बांध न केवल शहडोल, बल्कि आसपास के कई जिलों की सिंचाई और जलापूर्ति व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में बांध की स्थिति पर निरंतर नजर रखना और आवश्यकतानुसार प्रबंधन करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

बोलेरो से 37 पाव अवैध शराब जब्त

शहडोल। जिले के खैरहा थाना अंतर्गत पुलिस ने बीती रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बोलेरो वाहन से 37 पाव अवैध देशी शराब जब्त की है। यह वाहन ऋषभ गौतम चला रहा था, जिसे पुलिस ने संदेह के आधार पर रोका और तलाशी लेने पर यह शराब बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ऋषभ गौतम ने पुलिस को बताया कि वह यह शराब राजेंद्र कॉलरी की ओर ले जा रहा था और उसे यह काम कैलाश नामक व्यक्ति ने सौंपा था। हालांकि, इस बयान की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन मामले को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि एसईसीएल (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) के अंतर्गत संचालित राजेंद्र कॉलरी में इन दिनों यूनियन सत्यापन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। इस संदर्भ में कॉलरी के कर्मचारियों ने आशंका जताई है कि यह शराब कर्मचारियों के बीच बांटने के लिए लाई जा रही थी ताकि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके। रविवार को दिनभर इस मामले से जुड़े कुछ लोगों के पक्ष में फोन कॉल्स और सिफारिशें आने की चर्चा भी रही, जिससे मामला और अधिक संदेहास्पद हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कुछ प्रभावशाली लोग इस कोशिश में लगे रहे कि मामला दबा दिया जाए और किसी खास व्यक्ति का नाम सामने न आए। खैरहा पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि कहीं यह शराब यूनियन चुनाव में प्रभाव डालने के उद्देश्य से तो वितरित नहीं की जा रही थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और जल्द ही कुछ और खुलासे हो सकते हैं। चुनावी माहौल को देखते हुए यह मामला बेहद संवेदनशील हो गया है और प्रशासन इसे पूरी सतर्कता से हैंडल कर रहा है।

खबर संक्षेप

पर्यटन स्थलों पर साईन बोर्ड लगाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने गत दिवस छोटी तुम्मी में हुई दुर्घटना को दृष्टिगत रखते हुए समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए हैं कि झरने एवं ऐसे पर्यटन स्थल जहां लोगो का आवागमन होता है एवं दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है वहां पर साईन बोर्ड एवं फेंसिंग कराई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की बड़ी दुर्घटनाओं को घटित होने से रोका जा सके।
बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग,एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले,हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

एक भी बच्चा छूटा- संकल्प हमारा टूटाः कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में 22 जुलाई से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाले स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न हुई । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि 45 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में कोई बच्चा छूटने नही पाए।समस्त लक्षित बच्चो हेतु दस्तक सेवा प्रदायगी सत्रों का संचालन आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया जाए । मॉपअप के समय केवल छूटे हुए बच्चों हेतु दस्तक दल व्दारा गृह भेंट की जाए। अन्य सेवाओ के साथ संपूर्ण दिन दस्तक सेवा प्रदाय की जाए । उन्होने कहा कि 22 जुलाई से 16 सितंबर तक प्रारंभ होने वाले अभियान में पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान में निहित कर सेवा प्रदाय की जाए । शेष छूटे हुए बच्चों एवं नवजात शिशुओ हेतु मॉपअप के दौरान ए एन एम , आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओ व्दारा इन बच्चों के घर घर जाकर दस्तक सेवाएं प्रदाय की जाएं। सत्र एवं मॉपअप के दौरान बच्चों मे बीमारियों की पहचान, आवश्यक उपचार एवं त्वरित रेफरल करना सुनिश्चित किया जाए । दस्तक दल का नेतृत्व ए एन एम व्दारा किया जाए, आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता सहयोगी की भूमिका में रहेगी । दस्तक दल व्दारा छूटे हुए बच्चों एवं दल के पर्यवेक्षण हेतु सीएचओ उत्तरदायी होगे । बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डा ऋचा गुप्ता ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बाल एवं शिशु मृत्यु दर पर कमी लाना, बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम करना तथा पांच वर्ष तक के समस्त बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं प्रदान करना है। इस दौरान उन्होने बाल मृत्यु के कारक, बाल मृत्यु में कमी लाने हेतु साक्ष्य आधारित हस्तक्षेप, समस्त लक्षित बच्चो को सेवा प्रदायगी हेतु समय सीमा, अभियान मे निहित सेवाएं, स्टॉप डायरिया कैंपेन की प्रमुख गतिविधिया, कुपोषण, कुपोषण का खतरा, कुपोषण और संक्रमण का दुष्चक्र आदि की जानकारी दी ।

जिम्मेदार पर कार्यवाही का भय न होने से निर्माण में गड़बड़झाला

नगर पालिका की 'चमत्कारी' सड़क निर्माण योजना!

दो सावन नहीं झेल पाई 22 लाख की सडक़

शहडोल। बुढ़ार चौक से नए बस स्टैंड तक की 1.2 किमी सडक़ पर नगर पालिका ने लगभग 22 लाख रुपये फूंक दिए। डामर ऐसा बिछाया गया जैसे बारिश में चॉकलेट पिघल जाए। अब हाल ये है कि सडक़ गड्ढों से अपनी दास्तां खुद बयां कर रही है। जिम्मेदार निरीक्षण करते रहे और ठेकेदार लीपापोती करता रहा। अब जनता धूल फांक रही और अधिकारी बेशर्मी से मुंह चुराते फिर रहे हैं। संभागीय मुख्यालय के बुढ़ार चौक से लेकर नए बस स्टैंड तक की सडक़ का डामरीकरण नगर पालिका की वो योजना साबित हुई, जिसे देखकर खुद गड्ढे भी शर्मिंदा हो गए हैं। कुल 22 लाख रुपये की लागत से बनी यह 1.2 किलोमीटर लंबी और 6 मीटर चौड़ी सडक़, निर्माण के 22वें दिन ही फटी नहीं, बल्कि पूरी तरह से 'खुल' गई थी जैसे कोई रहस्योद्घाटन हो रहा हो। जनता ने सडक़ पर चलने के बजाय अब इस पर सडक़ की दुर्दशा देखने के लिए पिकनिक मनाना शुरू कर दिया है। हर गड्ढा, हर उखड़ा हुआ डामर, यही कह रहा है वाह! नगर पालिका, तू महान!

नजर थी पर नज़रिया नहीं

तत्कालीन सीएमओ अमित तिवारी की सतत निगरानी में यह निर्माण हुआ, मानो वह सीसीटीवी कैमरा हों, जो सबकुछ देखता तो है, लेकिन करता कुछ नहीं। तत्कालीन कलेक्टर वंदना वैद्य और जनप्रतिनिधि भी निर्माण के दौरान निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण ऐसा हुआ जैसे डॉक्टर बिना नब्ज देखे ही रोगी को स्वस्थ घोषित कर दे। ठेकेदार ने इन सबके सामने डामर की चादर बिछा दी, वह चादर जो दो बारिश नहीं झेल सकी।

डामर नहीं, काजल बिछाया था क्या?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सडक़ की बेस पर काम ही नहीं किया गया और उस पर डामर डाल दिया गया, कुछ यूं, जैसे बिना रोटी बनाए उस पर घी लगा दिया जाए। ठेकेदार ने काम ऐसे किया जैसे गृहप्रवेश से पहले ही दीवारों को वॉलपेपर से सजा दिया जाए। डामर चढ़ा नहीं, चिपका था - जैसे चुनावी वादे, जो सत्ता मिलते ही उड़ जाते हैं।

अब गड्ढों पर डस्ट डालकर पाट रहे

अब जब सडक़ जगह-जगह से उखड़ चुकी है, नगर पालिका का पुराना वैज्ञानिक समाधान का उपयोग कर डस्ट डालकर गड्ढे पाट रही है। यह उपाय वैसा ही है जैसे टुटे हुए पैर पर फेविकोल से प्लास्टर करना। तकनीकी अमला इस कदर

बेलगाम है कि इंजीनियर साहब शायद नालों और सडक़ों के बीच का फर्क ही भूल चुके हैं।

विपक्ष की 'नींद समाधि'

नगर पालिका अध्यक्ष ऐसे मौन धारण किए हुए हैं जैसे कोई साधु सियासी ब्रह्मलीन अवस्था में चला गया हो। सडक़ के हालत ऐसे हैं कि रथ यात्रा भी निकालो तो पहिए टूट जाएं, लेकिन अध्यक्ष का एक बयान तक सामने नहीं आया और बात करें नगर पालिका में बैठे विपक्ष की, यानी भाजपा की तो, वह अपनी उपस्थिति बस दर्शनमात्रम्-के लिए दे रही है। नेता गण कभी-कभी फोटो खिंचवाते हैं, प्रेस नोट जारी करते हैं और फिर अगले चुनाव तक गायब हो जाते हैं। शायद उन्हें डर है कि ज्यादा बोलने से कहीं अगली बार निर्दलीय भी न बनना पड़े।

जनता बेबस, व्यापारी त्रस्त

इस सडक़ के किनारे व्यवसाय करने वाले दुकानदार आज धूल, कीचड़ और गड्ढों के बीच व्यापार करने को मजबूर हैं। ग्राहक आते हैं और गड्ढों में गिरकर लौट जाते हैं, लेकिन नगर पालिका को इससे कोई सरोकार नहीं , उन्हें तो केवल बजट पास कराना और कार्य पूर्ण दिखाना आता है। गंज के पास जहां बारिश के बीच सडक़ बन रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्य सडक़ें दम तोड़ रही हैं। यह वही नीति है जहां वोट बैंक मजबूत, वहीं निर्माण कार्य तगड़ा।

'बाबा डामरनाथ' से प्रार्थना करें!

अब स्थिति ऐसी है कि जनता ने भगवान से प्रार्थना करनी शुरू कर दी है, 'हे डामरनाथ, अगली बार ऐसी सडक़ बनाना जो कम से कम सावन झेल सके। ठेकेदारों से उम्मीद करना वैसे भी भैंस के आगे बीन बजाने जैसा हो गया है। नगर पालिका के फाइलों में दर्ज कागज़ी घोड़े सरपट दौड़ रहे हैं, लेकिन जमीन पर सिर्फ गड्ढे, धूल और दलदल हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण समयसीमा में किया जाए।सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत अन अटेंडेड नही रहे।समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही की जाए तथा उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

सोन नदी के टापू में फंसे दो दर्जन मवेशी, प्रशासन बेखबर

जनप्रतिनिधियों ने की रेस्क्यू ऑपरेशन की मांग, बाढ़ जैसे हालात से ग्रामीण सहमे

शहडोल। जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम सुखाड़ के समीप सोन नदी के टापू में दो दर्जन से अधिक मवेशी बीते तीन-चार दिनों से फंसे हुए हैं, लेकिन अब तक प्रशासन द्वारा कोई भी रेस्क्यू कार्य नहीं शुरू किया गया है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तत्काल बचाव अभियान चलाने की मांग की है।

बाणसागर डैम के गेट खोलने से बढ़ा जल स्तर

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बाणसागर डैम के कुल आठ गेट खोले गए, जिससे सोन नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। नदी के बीच स्थित टापू पर चारा चरने गए मवेशी वापस लौटने से पहले ही तेज बहाव में फंस गए। अब स्थिति यह है कि न मवेशी लौट पा रहे हैं, न ही उन्हें चारा या पानी मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, लेकिन

प्रशासन इस पूरी स्थिति से पूरी तरह अनजान है। न तो कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा है और न ही राहत या बचाव के प्रयास किए गए हैं।

जनप्रतिनिधियों की चेतावनी

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मवेशियों को बचाने की पहल नहीं की गई, तो यह एक बड़ी पशुहानि में बदल सकता है। उन्होंने बाणसागर डैम के गेटों को तत्काल बंद करने, सोन नदी में फंसे मवेशियों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीम भेजने और क्षेत्र को आपदा संभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग की है।

प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि घटना को बीते कई दिन हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ जैसी स्थिति के बावजूद, न तो पूर्व चेतावनी दी गई और न ही कोई अलर्ट सिस्टम सक्रिय किया गया। स्थानीय लोगों ने मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि मवेशियों की जान बचाने के लिए तत्काल राहत कार्य शुरू किया जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए नदी किनारे बसे गांवों को पूर्व में ही सचेत किया जाए।

स्कूल से सड़क तक अब हर बच्चा बनेगा ट्रैफिक हीरो ट्रैफिक पाठशाला का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात हाईवे चौकी एक सप्ताह तक चलाएगी ट्रैफिक पाठशाला अभियान यातायात जागरूकता नशामुक्ति सुरक्षित भविष्य की गारंटी कार्यक्रमों का किया जायेगा आयोजन। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में यातायात हाईवे चौकी फुनगा द्वारा बच्चों को सुरक्षा, अनुशासन और जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाने के लिए ट्रैफिक पाठशाला एवं नशामुक्ति अभियान का आयोजन सोमवार को नगर के सेंट जोसेफ कान्वेंट स्कूल मे किया गया। कार्यक्रम में 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया और सीखा कैसे एक छोटा नियम पालन एक बड़ा जीवन बचा सकता है। यातायात हाईवे चौकी टीम ने बच्चों को समझाया कि हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रैफिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग आदि सिर्फ नियम नहीं, जीवन सुरक्षा कवच हैं। बच्चों को नशे के नुकसान बताए गए और मैं नहीं करूंगा नशा मैं बनूंगा देश का भविष्य जैसे नारे लगवाए गये।

बच्चों ने लिया संकल्प - छात्र छात्राओं ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ लेते हुए कहा कि हम नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी समझायेंगे। समाज को सुरक्षित और मजबूत बनायेंगे।

ऑटो एवं ई रिक्शा नियम के विपरीत चाल रहे स्कूलों में

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जिले में सुरक्षित स्कूल चले अभियान अंतर्गत जिला यातायात विभाग के द्वारा स्कूल बसों की चेकिंग अभियान चलाया गया और अभियान में कई स्कूली बसों के फिटनेस बीमा के दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर जुर्माना की कार्यवाही करते हुए बसों को छोड़ दिया गया जिसके कारण स्कूली बसों के संचालक को में यह हो गई की यातायात विभाग के द्वारा ज्यादा से ज्यादा जुर्माना की कार्यवाही की जाएगी और उससे ज्यादा क्या कार्रवाई होगी। जिसके कारण कोयलांचल क्षेत्र में स्कूली बसों में लापरवाही पूर्वक बच्चों को लाने ले जाने का कार्य किया जा रहा है बसों की भी हालत सही नहीं है सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जाता है। इसके साथ ही कोयलांचल क्षेत्र के कोतमा जमुना भालूमाड़ा गोबिंदा लहसुई सहित ग्रामीण क्षेत्रों से स्कूली बच्चों को लाने ले जाने के लिए ऑटो एवं ई रिक्शा का उपयोग नियम कानून को दरकिनार करते हुए किया जा रहा है। विगत दिनों बस चालक की लापरवाही से भालूमाड़ा थाना अंतर्गत क्रदम टोला मे एक मासूम बच्ची के पैर में स्कूल बस का टायर चढ जाने से मासूम का पैर कुचल गया था जो वर्तमान मे उपचाररत है इस मामले के बाद भी कई स्कूल प्रबंधन बच्चों के लिए फिक्रमंद नहीं दिखाई दे रहा। बच्चों को वाहनों में जान का जोखिम उठाकर खतरनाक तरीके से सफर कराया जा रहा है। निजी स्कूलों के जिम्मेदार अभिभावकों से बच्चों को स्कूल लाने और वापस पहुंचाने के लिए शुल्क वसूल करते हैं। अभिभावक भी बच्चों के सुरक्षित आवागमन की उम्मीद लेकर इंकार नहीं करते लेकिन रास्ते में बच्चे किन परिस्थितियों से होकर गुजरते हैं, इसकी जानकारी होना भी जरूरी है क्योंकि बच्चे खतरनाक तरीके से सफर करने के लिए मजबूर हैं। नगर की सड़कों पर प्रतिदिन स्कूली वाहनों में बच्चे लापरवाही के माहौल के चलते जान जोखिम में डालकर घर से स्कूल एवं स्कूलों से घर लौटते दिखाई देते हैं। आटो एवं ई रिक्शा बच्चों से खचाखच भरा रहता है। खास बात

यह है कि चालक के द्वारा बच्चों को दोनों साइडों में बैठाया जाता है और एक बच्चे को खुद की गोद में भी बैठाये नजर आते हैं। आटो एवं ई रिक्शा का नजारा लापरवाही की हदें पार करने वाला नजर आता है। आटो एवं ई रिक्शा में बच्चे तख्ते पर बैठे नजर आते हैं। अभियान समाप्त और उसके बाद स्कूली बसों मे लापरवाही शुरू। कई बच्चे खिड़कियों से हाथ बाहर निकाले रहते हैं। वैन में बच्चों को ठूंस ठूंस कर बैठाया जाता है। बच्चे एक के ऊपर एक की स्थिति में बैठते हैं। आटो एवं ई रिक्शा में बच्चे सीटों पर तो बैठे ही थे पिछले हिस्से में भी तख्ते पर बैठे हुए नजर आते हैं। यह नजारे तो उदाहरण के तौर पर रहे। नगर की सड़कों पर कई वाहनों में कुछ ऐसे ही माहौल में सफर पूरा किया जाता है। अब सवाल उठता है कि स्कूल प्रबंधन बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर क्यों नहीं हो रहा। जिला परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग के द्वारा प्रतिदिन क्यों चेकिंग अभियान नहीं चलाया जाता है अगर आये दिन अभियान चलाया जाये तो स्कूल बसों आटो ई रिक्शा एवं मारूति ओमनी कारों से लापरवाही पूर्वक ढो रहे स्कूली बच्चों को उसमें पूरी तरह से लगाम लग सकती है। परिवहन विभाग जो स्कूली वाहन पंजीकृत हैं इनमें कई सारे वाहन अनफिट हैं और सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं।

सावन के दूसरे सोमवार को नगर सहित आसपास के क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बना रहा

हरिभूमि न्यूजकोतमा। सुबह से मंदिरों एवं शिवालियों में श्रद्धालुओं का भीड़ लगी रही। भक्तों द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना और रुद्राभिषेक करने के सिलसिला बना रहा। शिव मंदिरों में बेलपत्र, धतूरा, फूल, अक्षत, भांग, दूध, दही के साथ अभिषेक कर अर्पण किया गया। सावन सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा एक दिन पूर्व से ही पूजन की तैयारी की गई थी। नगर के गौरीशंकर मंदिर, ठाकुर बाबा धाम, धर्मशाला मंदिर, पंचायती मंदिर, काली मंदिर, शारदा मंदिर, निगवानी रोड स्थित शंकर मंदिर, कैंप शिव मंदिर सहित ग्रामीण अंचलों के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। सावन मास घरों में भी भक्तों के द्वारा विशेष पूजा अर्चना व रुद्राभिषेक किया जा रहा है मंदिरों में विशेष आकर्षण वाली लाइटिंग के साथ मंदिरों को जगमगाया गया है। नगर में सावन को लेकर भक्तों में अच्छा खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंदिरों के आस पास सुरक्षा व्यवस्था भी बनाई गई है।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने केरहा धाम से जल लेकर सिद्ध बाबा पहाड़ तक किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज, राजनगर। सावन माह के दूसरे सोमवार को राजनगर क्षेत्र में पारंपरिक कांवड़ यात्रा का आयोजन हुआ। केरहा धाम जलकुंड से जल भरकर सैकड़ों श्रद्धालु हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष के साथ सिद्ध बाबा पहाड़ तक पैदल यात्रा पर निकले। कांवरियों की भीड़ रामनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-सी होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक पहुँची, और वहां भोलेनाथ को जल अर्पित किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह जलपान, विश्राम और चिकित्सा की व्यवस्था की गई थी। केदारनाथ सिद्ध बाबा मनेद्रगढ़ पर जाकर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ पर जल चढ़ाकर अपनी यह कांवड़ यात्रा पूर्ण की, जय कावड़ यात्रा में भक्तिमय माहौल रहा और आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ। इस बार की कांवड़ यात्रा एक विशेष सामाजिक संदेश के लिए भी याद की जाएगी। रामनगर पुलिस ने इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। यात्रा मार्ग पर पुलिस द्वारा बैनर, माइक व जनसंपर्क के जरिए आमजन और विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से संवाद करते हुए समझाया कि नशा न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह परिवार और समाज के लिए भी विनाशकारी है। रामनगर पुलिस के इस नवाचार को श्रद्धालुओं ने भी सराहा। कांवरियों ने बाबा भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगते हुए नशामुक्त समाज की कामना की। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की कि धार्मिक आयोजनों में मर्यादा और शांति बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पूरी यात्रा के दौरान थाना रामनगर के पुलिस अधिकारी और बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। नशामुक्ति के संदेश के साथ सम्पन्न हुई। यह यात्रा समाज और प्रशासन के बीच सकारात्मक संवाद और सहयोग का उदाहरण बन गई।

चर्चित जुआं फड़ पर पुलिस का छापा

कोतमा। बीते दिनों कोतमा पुलिस ने आदतन फड़बाज कमलेश गुप्ता 40 वर्ष के साथ 9 आरोपियों को भी दबोचते हुए कार्यवाही की गई है। जुआरियों के कब्जे से 70830 रु जप्त कर धारा 13 जुआ एक्ट में कार्यवाही की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सरगना कमलेश गुप्ता पिता स्वर्गीय रमेश गुप्ता 40 वर्ष निवासी वार्ड 5 बस्ती, अविनाश 31 वर्ष, लखन शुक्ला 42 पिता अवधेश शुक्ला, अंकित जैन 33 पिता बाबूलाल जैन वार्ड 6 पीपल चौक, राज वंशकार 23 पिता नरेश वंशकार वार्ड 4 दर्री टोला, कृष्णपाल 25 पिता संतोष, कुंदन कुशवाहा 27 वर्ष संतोष कुशवाहा सभी निवासी कोतमा को रंगे हाथों ताश के पत्तों में हार जीत का दांव लगाते पकड़ाए। उपनिरीक्षक अकबर खान, संजीव त्रिपाठी, दिनेश राठौर, अभय त्रिपाठी, मनोज उपाध्याय, जितेंद्र मंडलोई, विनोद मरावी, राकेश सिंह, अनिल मरावी शामिल रहे। कोयलांचल क्षेत्र में शातिर बदमाशों के द्वारा

संगठित गिरोह बनाते हुए जुआ, सट्टा सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को संचालित किया जाता है। फड़बाज द्वारा 2 फाड़ सजाया गया था। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि थाना क्षेत्र का आदतन फड़बाज कमलेश गुप्ता अपने साथियों सहित लंबे समय से जुआ का फड़ संचालित किया जाता रहा। आरोपी शातिर बदमाश है जिसके द्वारा थाना बदल बदल कर जुआ खिलाने के साथ सूदखोरी भी कराई जाती है। आरोपी कमलेश गुप्ता के खिलाफ थाना कोतमा में जुआ, सट्टा, गुंडागर्दी के आधा दर्जन मामले पंजीबद्ध हैं वहीं भालूमाड़ा एवं रामनगर थाना क्षेत्र में जुआ खिलाने का अपराध दर्ज है।
भालूमाड़ा पुलिस ने 4 जुआरी दबोचे
थाना प्रभारी संजय खलखो को मिली सूचना पर पुलिस टीम ने शनिवार को जमुना पंडाल के पीछे जुआ खेल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कब्जे से 15 हजार नगदी, ताश के पत्ते जप्त करते हुए 13 जुआ का केस दर्ज किया है। पकड़े गए आरोपी सुरेंद्र सिंह पिता केदार सिंह, राकेश सील पिता अनिल सील, विजय कुमार पिता गुलाबचंद, अनिल कुमार पिता हरिनारायण सभी निवासी जमुना के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज किया। छापामार कार्यवाही के दौरान जेपी लकड़ा, कृपाल सिंह, अभिषेक राजपूत, देवेंद्र तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

खबर संक्षेप

दस्तक अभियान 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक

शहडोल। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दस्तक अभियान वर्ष 2025-26 का प्रथम चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक संचालित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि दस्तक अभियान के सत्र आंगवाड़ी केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे। जहां 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान में निहित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शेष छूटे हुए बच्चों एवं नवजात शिशुओं हेतु मापअप के दौरान एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का संयुक्त दल बच्चों के घर-घर जाकर दस्तक सेवाएं देंगी। सत्र एवं मापअप के दौरान बच्चों में बीमारियों की पहचान आवश्यक उपचार एवं त्वरित रेफरल सुनिश्चित किया जाएगा। दस्तक दल का नेतृत्व एएनएम द्वारा किया जाएगा। आशा एवं आगनवाड़ी कार्यकर्ता सहयोगी की भूमिका में होगीं। दस्तक दल द्वारा छूटे हुए बच्चों एवं दल के पर्यवेक्षण हेतु सीएचओ उत्तरदायी होंगे। स्टाप डायरिया कैम्पेन के माध्यम से समुदाय एवं संस्था आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समुदाय आधारित सेवाओं में 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट जिसमें 2 माह तक के बच्चे शामिल नहीं होंगें, दस्त रोग के प्रकरणों में अनिवार्यतः निर्जलीकरण का वर्गीकरण कर आवश्यक उपचार एवं रेफर करने, सत्र के दौरान उपस्थित समुदाय के समस्त ओआरएस घोल बनाने की विधि का प्रदर्शन, समुदाय को जिंक टैबलेट का महत्व एवं खरते के लक्षणों की समझाईस देने के साथ ही साफ-सफाई के महत्व को समझाने एवं हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया जाएगा। संस्था आधारित गतिविधियों में आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में ओआरएस कार्नर स्थापित करनें निर्जलीकरण के मापदंड एवं उसके उपचार का प्रदर्शन तथा मानक उपचार, ओपीडी में आने वाले दस्त रोग वाले बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट देने, गंभीर कुपोषण के साथ निर्जली करण के चिन्हांकित बच्चों का मानक अनुसार उपचार करना, ओआरएस एवं जिंक टैबलेट के उपयोग पर चर्चा शामिल हैं। विकासखंड स्तर पर ग्रामवार माइक्रोप्लान संबंधित बीएमओ द्वारा तैयार किया जाएगा तथा जिला स्तर पर माइक्रोप्लान की समीक्षा एवं सुधार जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

विधायक ने छात्रावास में किया पौधारोपण

बड़वारा। एक पेड़ मां के नाम पर विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने आदिवासी बालक छात्रावास बड़वारा में वृक्षारोपण किया। आदिवासी बालक छात्रावास में विधायक बड़वारा धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण करने के पश्चात छात्रों के साथ स्वल्पाहार किया एवम छात्रों के साथ बातचीत कर छात्रावास में प्राप्त सुविधाओं की जानकारी ली। खेल पढ़ाई स्वास्थ को लेकर छात्रों को विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा जानकारी दी गई छात्रों के कमरों में साफ सफाई देख प्रसन्नता जाहिर की गईं कार्यक्रम में साथ में केतन गर्ग, हर्ष द्विवेदी , छात्रावास अधीक्षक संजय कुशवाह एवं छात्रावास के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की उपस्थिति रही।

स्वरोजगार स्थापित करने 50 लाख तक का ऋण

कटनी। मप्र शासन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रदेश में दो कल्याणकारी योजनाएं संचालित है। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना।

जगह-जगह हुआ कावड़ियों का स्वागत

ब्यौहारी। नगर के अंतर्गत 80 किलोमीटर दूर गोदवाल धाम से लेकर भंवर सेन संगम से लेकर गोदवाल धाम तक कावड़ यात्रा निकाली गई कावड़ यात्रा में 500 कावडिये शामिल हुए। आपको बताते चलें 19 जुलाई को व्यवहारी से कावड़ लेकर जल भरने भंवर सेन और बनास नदी और सोन नदी का संगम जिसको भंवर सेन कहा जाता है वहां का जल लेने गए वहां से जगह-जगह लौटते समय कावड़ियों की स्वागत की व्यवस्था बनाई गई थी। 21 जुलाई को कावड़ यात्रा व्यवहारी पहुंची जहां पर नगर में भी जगह-जगह स्वागत हुआ उसके बाद कावड़ लेकर श्रद्धालु देव संगम धाम गोदवाल पहुंचे जहां पर उन्होंने भगवान भोलेनाथ को संगम का जल चढ़ाया। 3 दिन की कावड़ यात्रा में जैसे ही कावड़ व्यवहारी पहुंची पूरा नगर में बोल बम के नारों से गूंज उठा कावड़ यात्रा की व्यवस्था में लगे हुए श्रद्धालुओं में प्रमुख रूप से खुशीराम रघुवंशी, बृजवासी तिवारी कैलाश हलवाई, कामता सोनी, कमलेश गुप्ता सत्यनारायण गुप्ता स्वामी दिन गुप्ता विकास तिवारी एवं अन्य नगर जनों का सहयोग कावड़ियों को मिलता है और उनके द्वारा उनके विश्राम और भोजन की व्यवस्था बीच-बीच में कराई जाती है। यह परंपरा कई सालों से चली आ रही है भंवर सेन संगम का जल सावन महीने में कांवर में भरकर देव संगम धाम गोदवाल में चढ़ाया जाता है जिसमें नगर के हजारों लोग कावड़ियों का बड़े ही उत्साह के साथ स्वागत करते हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण में न.पा. पसान के प्रथम आने पर व्यापारी संघ ने किया सम्मान

अध्यक्ष सीएमओ सहित कर्मचारियों का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर पालिका परिषद पसान को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में रैंकिंग में 3 स्टार एवं संभाग में प्रथम स्थान आने पर नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, सी.एम.ओ शशांक आर्मो. वरिष्ठ अभियंता उमेश त्रिपाठी स्वच्छता अविनाश मरकाम एवं सफाई कर्मियों का जमुना कालरी व्यापार संघ के द्वारा शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। नगर के व्यापारी सचिन जायसवाल ने कहा कि पसान नगर पालिका के अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा उनकी टीम के द्वारा नगर की साफ सफाई को हमेशा प्राथमिकता दी गई जिसका परिणाम है कि आज हमारा नगर संभाग में प्रथम स्थान स्वच्छता के मामले में हासिल किया है व्यापारियों ने नगर पालिका के पूरी टीम को बधाई देते हुए उन्हें नगर की साफ सफाई व्यवस्था में इसी प्रकार हमेशा सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा की तो वही नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने इस सफलता के पीछे समस्त नगर वासियों एवं व्यापारियों को धन्यवाद प्रेषित किया उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी एवं क्षेत्र की जनता के सहयोग से स्वच्छता में प्रथम स्थान हासिल हुआ है एक-एक व्यक्ति नगर की स्वच्छता के प्रति ध्यान देता है तब जाकर हम अपने नगर को अपनी टीम के साथ स्वच्छ रखने में सफलता हासिल करते हैं। श्री सिंह ने स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक रहने की अपील की और सहयोग की अपेक्षा की जिससे कि नगर को इसी प्रकार स्वच्छ और सुंदर बनाए रखा जा सके। स्वागत सम्मान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से व्यापार संघ के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह तथा अशोक लाल, राजेश सिंह, दिवाकर विश्वकर्मा, सचिन जायसवाल, मुशर्रफ, सरताज, प्रमोद गुप्ता, रमन झा, धर्मेंद्र प्रजापति जानकी, राजीव रंजन, राकेश गुप्ता, संतोष गुप्ता तथा नगर के अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

अनूपपुर स्वास्थ्य विभाग की ऐतिहासिक छलांग

स्वास्थ्य सेवाओं में रचा नया कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है, जिसने इसे पूरे प्रदेश में एक नई पहचान दिलाई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. वर्मा के गतिशील नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने जो प्रगति की है, वह वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायक है। यह सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि लाखों जिंदगियों को बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान करने का एक सफल प्रयास है।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार

डॉ. वर्मा के कार्यभार सम्भालने बाद से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में आयी सुधार आया है. जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में सुविधाओं का लगातार विस्तार हुआ है। विशेष रूप से, कोतमा और पुष्पराजगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्लड स्टोरेज यूनिट्स की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने स्थानीय मरीजों के लिए रक्त की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाना अब और आसान हो गया है।

प्रमुख उपलब्धियों में

सीएम हेल्पलाइन में प्रदेश में तीसरा स्थान मिला है यह उपलब्धि अनूपपुर स्वास्थ्य विभाग की कार्यकुशलता और जन-शिकायतों के त्वरित निवारण में उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वहीं 'ए' ग्रेड प्राप्त करना उनकी उत्कृष्टता को और भी पुष्ट करता है।

आयुष्मान भारत योजना में अग्रणी

आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश भर में तीसरा स्थान हासिल करना दर्शाता है कि अनूपपुर ने सामाजिक स्वास्थ्य सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जो यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

जांच सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण

करपा और कोठी के अस्पतालों में एक्स-रे मशीनों को चालू करना एक बड़ी उपलब्धि है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं, जिससे मरीजों को अब दूर के शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह सब डॉ. वर्मा की दूरदर्शी सोच और पूरे स्वास्थ्य अमले की अथक मेहनत का ही परिणाम है कि आज अनूपपुर जिला स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में प्रदेश के अग्रणी जिलों में गिना जा रहा है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की यह शानदार उपलब्धि न केवल अनूपपुर का मान बढ़ा रही है, बल्कि जिले के लाखों नागरिकों के लिए बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के द्वार खोल रही है। यह वास्तव में एक नया कीर्तिमान है, जो भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखता है।

जहर से महिला की संदिग्ध मौत, नाराज परिजनों ने कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर अन्तर्गत पुरानी बस्ती रोड, शंकर मन्दिर चौक के पास एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद विवाद की स्थिति बन गयी। महिला के नाराज परिजन कलेक्ट्रेट पहुंच गये और वहाँ उन्होंने एडीएम दिलीप पाण्डेय को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की। मौके पर नगर निरीक्षक अरविन्द जैन, प्रकाश तिवारी पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। मृतका के परिजनो ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला की मृत्यु की सूचना उन्हें नहीं दी। मेडिकल कालेज मे मृतका के मायके पक्ष की अनुपस्थिति मे पोस्टमार्टम करवा कर चुपचाप अनूपपुर मे अन्तिम संस्कार करने की कोशिश की गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने कलेक्टर अनूपपुर के नाम शिकायती पत्र दे कर कहा है कि पुरानी बस्ती अनूपपुर निवासी नर्मदा गुप्ता उर्फ राजा की पत्नी प्रियंका की संदिग्ध मौत जहर से हो गयी। उसे जहर दिया गया। मृत्यु की सूचना मायके पक्ष ,भेजरी (पुष्पराजगढ) निवासी को नहीं दी गयी। प्रियंका को शहडोल मेडिकल कालेज ले जाया गया। शव का पोस्टमार्टम करवाते समय और शव को वापस अनूपपुर लाने के बाद भी मृतका के माता - पिता को नहीं बतलाया गया। माता - पिता और परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष की प्रताडना से प्रियंका की मौत हुई। एडीएम दिलीप पाण्डेय और नगर निरीक्षक अरविन्द जैन ने समझाईश देकर आश्वस्त किया कि महिला के माता - पिता के बयान के आधार पर जांच करके कार्यवाही की जाएगी।

राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी करें निराकरण-कलेक्टर

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में विभिन्न लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने नामांतरण, नक्शा तरमीम, बंटवारा, अवमानना और सायबर तहसील से जुड़े लंबित प्रकरणों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और नियमित रूप से उनकी प्रगति की समीक्षा की जाए। बैठक में कलेक्टर पंचोली ने जनहानि, पशु हानि एवं फसल हानि के लंबित प्रकरणों की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन संवेदनशील मामलों में पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाए और सभी प्रकरणों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण से जुड़ी इन समस्याओं में किसी भी प्रकार की देरी अस्वीकार्य है। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत पात्र किसानों का ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि सभी पात्र किसानों को योजना का लाभ सुचारु रूप से मिल सके। कलेक्टर पंचोली ने अधिकारियों से नियमित रूप से फील्ड में जाकर कार्यों की निगरानी करने एवं आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर समस्याओं को समझने एवं समाधान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जनहित है और उसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

खोह से औढेरा जंगल पहुंचे चार हाथी, रात में 8 मकान एवं 9 ग्रामीणों के फसलों का किया नुकसान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चार हाथियों का समूह रविवार एवं सोमवार की मध्य रात बुढार रेंज के खोह बीट के जंगल में दिनभर विश्राम करते हुए साम रात को कई गांव में उत्पात करते हुए सोमवार की सुबह औढेरा के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं हाथियों द्वारा रात भर विचरण दौरान 8 ग्रामीणों के मकान में तोड़फोड़ कर 9 किसानों के खेतों में लगी विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाए हैं कई गांव के ग्रामीण हाथियों के विचरण के कारण रात रात भर जागकर रात बितायी। चार हाथियों का समूह एक बार फिर से अनूपपुर, डिंडोरी, उमरिया एवं शहडोल जिले में विचरण करने बाद रविवार की देर रात फिर से अनूपपुर जिले के ग्रामीण अंचल में पहुंचकर विचरण कर रहे हैं यह हाथी रविवार के दिन शहडोल जिले के बुढार रेंज अंतर्गत खोह बीट के जंगल में दिनभर विश्राम करने बाद शाम होते ही खाने की तलाश में जंगल से निकलकर खोह गांव के बंधवाटोला निवासी प्रेम नारायण सिंह, संतोष सिंह, रामशोभित सिंह, भैयालाल सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर घरों के अंदर रखे अनाजों को देर रात तक खाते हुए अनूपपुर जिले के अनूपपुर तहसील एवं रेंज अंतर्गत बड़हर गांव में प्रवेश कर बृजभान नायक, कृष्णपाल नायक, ओमकार नायक, सूरज सिंह, माधव सिंह के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाते हुए किरर के जंगल के साथ अनूपपुर अमरकंटक मुख्य मार्ग को पार करते हुए किरर निवासी कन्हैया नायक, सहजान सिंह, रामगोपाल चौधरी के घरों में तोड़फोड़ कर मक्खन सिंह, जमुना सिंह, चेतराम सिंह एवं औढेरा के कठेवाटोला निवासी उमा यादव के खेत एवं बांड़ी में लगे विभिन्न तरह के फसलों को खाते हुए सोमवार की सुबह होने पर किरर बीट के अंतर्गत औढेरा के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं हाथियों के विचरण के कारण खोह, बडहर, किरर एवं औढेरा के ग्रामीण रात भर जागकर अपने परिवारों तथा संपत्तियो की सुरक्षा में लगे रहे है वही कई ग्रामीण हाथियों के द्वारा घर को चारों तरफ से देर लेने के कारण वन विभाग की मदद से अपने परिवार के सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर रखा इस बीच बुढार एवं अनूपपुर वन परिक्षेत्र के वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी हाथियों पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणो को सचेत रहने, ग्रामीण को सुरक्षित स्थल पर रखने में लगे रहे इस बीच किरर गांव में एक परिवार की वृद्ध महिला घर में अकेले होने हाथियों के द्वारा घर के आसपास विचरण करने पर वृद्धा को सुरक्षित घर से बाहर निकाला गया हाथियों के द्वारा किए गए नुकसान पर सोमवार की सुबह राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने स्थल का निरीक्षण कर राहत प्रकरण तैयार किया सोमवार की देर रात औढेरा के जंगल से उतर कर हाथियों का समूह किस ओर विचरण करेगा यह रात होने पर ही पता चल सकेगा।

ग्राम पंचायत अल्हरा में बिना नाले-नदी के बन रहा स्टॉप डेम

शहडोल। जिले की पंचायती राज व्यवस्था में लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार ने अब नया रिकॉर्ड बना लिया है। ब्यौहारी जनपद के ग्राम पंचायत अल्हरा के ग्राम छलाकछार में एक ऐसा स्टॉप डेम निर्माणाधीन है, जो न तो किसी नाले के किनारे है, न किसी नदी के पास बताया जा रहा है, यह स्टॉप डेम झल्लू जायसवाल के घर के पीछे सरपंच पति की शह पर बनाया जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्थान पर डेम का निर्माण हो रहा है, वहां आस-पास पानी का कोई स्रोत ही मौजूद नहीं है। इससे साफ है कि यह निर्माण केवल शासकीय राशि की बंदरबांट के लिए किया जा रहा है, जिसका कोई औचित्य नहीं है। ग्राम पंचायत के जिम्मेदार लोग वास्तविक जरूरतों को दरकिनार कर अपनी सुविधा और स्वार्थ के अनुसार योजनाएं चला रहे हैं, वहीं जनपद व जिला स्तर के अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।

जन प्रतिनिधि की मांग को भी किया नजरअंदाज- ग्राम पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 के पंच विजय कुमार मिश्रा ने कई बार जामुदडाढ़ी टोला में पक्की सडक निर्माण की मांग की। इस बस्ती में लगभग 100 कोल जनजातीय लोग निवास करते हैं, जो हर साल बरसात में कीचड़, दलदल और दुर्गम रास्तों से गुजरने को मजबूर हैं। पंच ने न केवल मौखिक रूप से, बल्कि लिखित आवेदन भी पंचायत को दिए, लेकिन दुर्भाग्य है कि आज दिनांक तक सडक की योजना तक शुरू नहीं हो सकी। यह स्थिति दर्शाती है कि पंचायत विकास कार्यों में प्राथमिकता तय करने के लिए जनप्रतिनिधियों या आमजन की आवश्यकता नहीं समझती, बल्कि निर्णय सत्ता के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गए हैं।

जनपद सीईओ की कार्यशैली पर गंभीर सवाल- ब्यौहारी जनपद पंचायत में नियुक्त किए गए मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय सिंह की कार्यशैली भी कठघरे में है। जनपद में अनियोजित निर्माण, फर्जी खर्च, और जनहित की उपेक्षा आम हो गई है, लेकिन सीईओ महोदय पूरी तरह उदासीन दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वे न तो फील्ड में निरीक्षण करते हैं, न ही गंभीर शिकायतों पर कोई संज्ञान लेते हैं। उनकी प्रशासनिक योग्यता और कार्यकुशलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल यह है कि क्या जनपद सीईओ की जिम्मेदारी केवल कार्यालय तक सीमित रह गई है? जब जनपद क्षेत्र में शासकीय राशि का दुरुपयोग हो रहा है और जरूरतमंद बस्तियों की अनदेखी हो रही है, तब उनकी चुप्पी मौन सहमति नहीं तो और क्या है?

जिले के मुखिया भी जिम्मेदारी से पीछे- सबसे गंभीर बात यह है कि जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी, जिनकी निगरानी में पूरे जिले की पंचायतें कार्य करती हैं, उनकी भूमिका भी पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रही है। भ्रष्टाचार के मामलों में बिना ठोस जांच के क्लीन चिटें बांट दी जाती हैं, जबकि जमीनी सच्चाई कुछ और ही है। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों का पालन यहां केवल कागजों तक सीमित है। पंचायतों में मनमाने ढंग से कार्य योजना बनाई जा रही है, लाभार्थियों की अनदेखी हो रही है और शासकीय योजनाएं व्यक्तिगत हितों की भेंट चढ़ती जा रही हैं। लेकिन जिला स्तर पर न कोई कार्रवाई होती है और न कोई जवाबदेही तय की जाती है।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा कर संतुष्टिपूर्वक करें निराकरण: कलेक्टर

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय.सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपे तथा जिला प्रमुख अधिकारी शिकायतो के निराकरण की स्थिति की मॉनीटरिंग करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय.सीमा में दी जाने वाली सेवाओं का निराकरण समय.सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। कलेक्टर ने जिले में लगातार हो रही बारिस को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व विभाग के अधिकारियों को बारिस से हुए नुकसान का आकलन कर आरबीसी के प्रावधानों के अनुसार सहायता राशि का वितरण शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण यांत्रिकी सेवाए लोक निर्माण विभागए प्रधानमंत्री सडक़ योजनाए जल संसाधन विभाग सहित अन्य अधिकारियें को निर्देश दिए कि वे जिले की सडक़ों तथा पुल.पुलियों तथा जल संरचनाओं का निरीक्षण करते रहें तथा जहां भी वर्षा के कारण संरचनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैंए उनका आकलन कर प्रतिवेदन तैयार करें। वर्षा के कारण होने वाले नुकसान की जानकारी जिला एवं जनपद स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम में अनिवार्य रूप से दें।

खबर संक्षेप

अर्द्ध घुमंतू समुदाय के विद्यार्थियों को सीड योजना के तहत प्रदान की जाएगी निःशुल्क कोचिंग

अनूपपुर। शासन द्वारा विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदाय के विद्यार्थियों के लिए सीड योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं यूपीएससी, एमपीपीएससी, आरआरबी, क्लैट, जेईई, नीट, सीएटी, सीएमएटी, एनडीए आदि की पूर्व तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना के तहत निःशुल्क ऑनलाईन और रूम कोचिंग के लिए पात्र विद्यार्थी 03 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए डीएनसी, एनसी या एसएनसी श्रेणी से संबंधित ऐसे छात्र-छात्राएं जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुके हों या वर्तमान में अध्ययनरत हैं और परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रू से अधिक ना हो, वह विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले विद्यार्थी किसी अन्य सरकारी योजना से समान लाभ प्राप्त ना कर रहे हों। कोचिंग शुल्क हेतु अधिकतम 1,20,000 रू की राशि प्रदान की जाएगी। आवेदन हेतु आवेदक के पास आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, वर्तमान क्लास का प्रमाण, पिछली कक्षा का रिजल्ट, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक और एनटी या डीएनटी प्रमाण पत्र होना जरूरी है। विद्यार्थी को वेबसाईट पर आवेदन करना होगा।

एक बगिया मां के नाम के चयनित हितग्राहियों तथा पंचायत अमले की ग्राम मनौरा में आयोजित हुई कार्यशाला

अनूपपुर। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मनरेगा के माध्यम से ''एक बगिया मां के नाम'' परियोजना अंतर्गत फलदार पौधरोपण का कार्य प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरु होगा, जो 15 सितम्बर तक चलेगा। ''एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के अंतर्गत आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों की ऐसी महिला सदस्य जो फलदार पौधरोपण करने की इच्छुक चयनित कर संबंधित ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत मनौरा में आयोजित किया गया। कार्यशाला में जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह, जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी राघवेन्द्र पटेल, आजीविका मिशन के जिला परियोजना समन्वयक शशांक प्रताप सिंह, उद्यान विस्तार अधिकारी, मनरेगा के सहायक कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में शिप्री सॉफ्टवेयर से स्थल, प्रजाति, पौधरोपण समय की उपयुक्तता निर्धारण, स्वसहायता समूह की महिला सदस्यों की स्वयं परिवार की 0.5 से 1 एकड़ की भूमि पर फलोद्यान का विकास, हितग्राही चयन, लक्ष्य, जलकुण्ड, पौधरोपण की सुरक्षा, निगरानी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी अधिकारियों द्वारा दी गई।

बीते 24 घंटे में जिले में 4.2 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 4.2 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र बिजुरी में 2.6, जैतहरी में 22, वेंकटनगर में 1, पुष्पराजगढ़ में 2.4, अमरकंटक में 3.8 तथा बेनीबारी में 2.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर तथा कोतमा में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

जिले में ''नशे से दूरी है जरूरी'' अभियान 30 जुलाई तक चलेगा

अनूपपुर। नशीले पदार्थों का सेवन एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करती है। यह न केवल व्यक्तियों के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है, बल्कि अपराधों में वृद्धि का भी एक प्रमुख कारण है। इस गंभीर समस्या से समाधान के लिए और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु ''नशे से दूरी है जरूरी''नशामुक्ति जनजागृति अभियान पूरे मध्यप्रदेश के साथ ही अनूपपुर जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ हो गया है। यह नशा मुक्ति अभियान 30 जुलाई तक चलेगा। जिसमें नशा पीड़ित व्यक्तियों को पुर्नवास की व्यवस्था करते हुए उन्हें नशामुक्त बनाया जाएगा। साथ ही जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित विभिन्न संस्थानों में नशामुक्त से संबंधित सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक कृष्ण कुमार सोनी ने दी है।

कागजों में सिमट कर रह गई वाटर हार्वेस्टिंग योजना

वर्षा जल से कल को संवारने में अधिकारियों की नहीं रूचि

जिस तेजी से जल का किया जा रहा दोहन, उसी तेजी से धरती में नहीं पहुंच रहा जल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हर साल जल संकट से निपटने बड़ी बड़ी योजनाएं बनती है इन योजनाओ पर लाखो करोडो रुपए खर्च भी होते है लेकिन फिर भी आमजनता को गर्मी मे जलसंकट जैसी समस्याओ का सामना करना ही पडता है। इसका एक मुख्य कारण वर्षा जल को सहेजन मे कंजूसी भी है। दरअसल बारिश के वक्त अधिकारियो द्वारा ना तो भूमि जल को सहेजने मे दिलचस्पी दिखाई जाती है और न तालाबो और जलाशयो का गहरीकरण कर अधिक से अधिक जल सहेजने मे रूचि ली जाती है। परिणाम स्वरूप गर्मी आते ही जलस्तर साथ छोड़ देते है और आमजनता को पेयजल के लिए यहां वहां कोसो भटकना पड़ता है।

कागजों में दफन हुई योजना

जलसंकट से उभरने के लिए ब्लॉक से लेकर जिला स्तर यहां तक कि प्रदेश स्तर पर भी ढेरों योजनाएं बनती है सोख्ता गड्ढे रूफ हार्वेस्टिंग सिस्टम बोरी बंधान सहित अनेको योजनाएं तो शासन प्रशासन बनाता है लेकिन हकीकत मे कई योजनाएं केवल कागजो पर ही सिमटकर रह जाती है यानि योजनाओ मे जल तो सहेजा जाता है लेकिन यह जल केवल कागजो मे ही जलस्तर को बढाता है।

तेजी से हो रहा जल का दोहन

धरती का सीना चीरकर तेजी से जल का दोहन किया जाता है लेकिन उसी तेजी से धरती मे जल नही पहुंचाया जाता है। ग्रामीणांचलो मे भी ट्यूबवेल के माध्यम से पानी धरती से निकाला

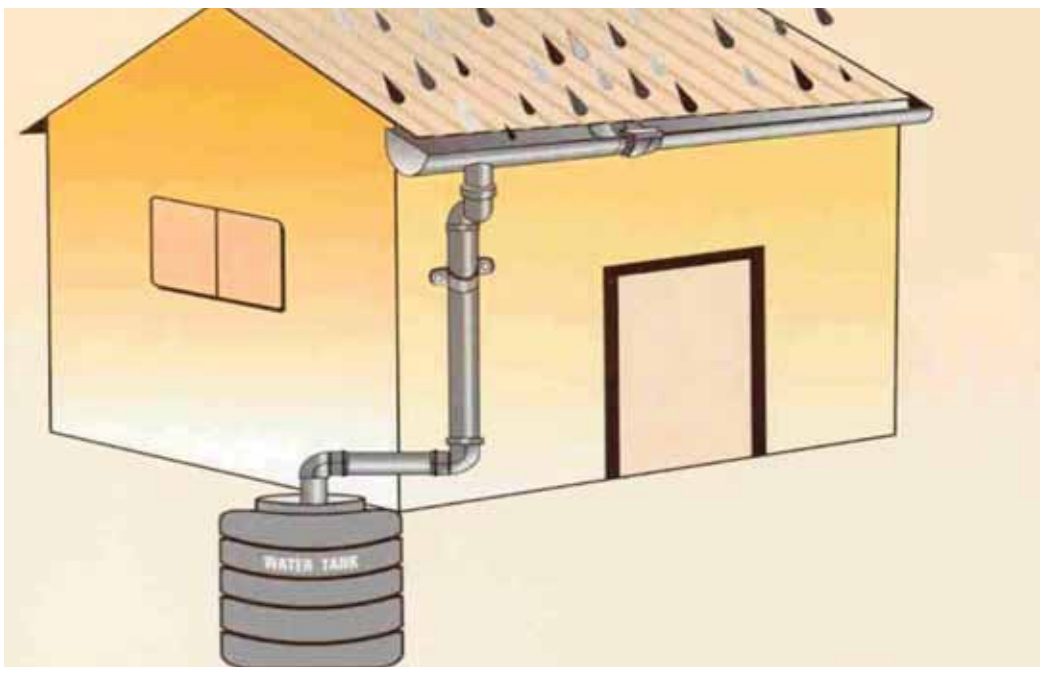

जाता है परन्तु धरती के जल को रिचार्ज करने के लिए कोई उपाए नही होते। खास बात यह है कि सीमेंटीकरण के कारण भी धरती के गर्भ तक बारिश का पानी नही पहुंच पाता जिससे जलद ही जलस्तर गिर जाता है पर बारिश प्रारंभ होने के बाद भी अभी तक प्रशासनिक अधिकारियो द्वारा पानी सहेजने के लिए कोई मुहिम चलते नजर नही आई है। शायद शासन की इन योजनाओ पर अधिकारी अमल करना अपनी जिमेदारी नही समझते है जिस कारण पुनः बारिश का पानी सहेजने की वजह बहा देना ज्यादा जरूरी समझते हैं।

गर्मी में जल संकट होता है शुरू

गर्मी आते ही लोगो के नही प्रशासन के चेहरे पर भी जलसंकट से निपटने की चिंता झलकने लगती है इस वर्ष भी यही स्थिति उत्पन्न हो गई और पंचायतो मे जल संकट विकराल रूप धारण कर लेने से जनता को काफी परेशान होना पड़ा तो वही नगरीय क्षेत्रो मे भी पानी के लिए पानी के समान रुपए खर्च कर हजारो लाखों रुपए का डीजल जलाकर टैंकरो के माध्यम से पानी पहुंचाया जाता रहा है। फिर भी लोगो को पर्याप्त पानी नही मिल पाया और पानी के लिए जद्दोजहद करते नजर आई जनता इतना ही नही गर्मी के मध्य सैकडो हैंडपंप भी हवा उगलते नजर आये।

निजी व सरकारी दोनों जगह नहीं दिखते वाटर हार्वेस्टिंग

पानी को सहेजने वाली योजना मे से एक योजना और शासन ने संचालित की है। वाटर हार्वेस्टिंग योजना जिसमे प्रशासन के प्रचार और आमजन को समझाकर आम जन से अपने घरो के निर्माण करने के साथ घरो पर वाटर हार्वेस्टिग लगाना अनिवार्य था परन्तु जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचल सहित शासकीय भवनो मे तक वाटर हार्वेस्टिंग नजर नही आ रहा है जिससे बारिश का पूरा पानी बह जायेगा और आगामी गर्मी मे फिर प्रत्येक वर्ष की तरह गर्मियों मे पानी की किल्लत से पूरे क्षेत्र की जनता को जल संकट का सामना करना होगा पर जिम्मेदार प्रशासन भी पानी सहेजने के लिए सजग नजर नही आ रहा है जिससे बारिश के दस्तक देने के बाद भी कही हैण्डपंपो पर सोख गड्ढे भी नजर ही नही आ रहे तो कही सोख गड्ढो पर सफाई होती नजर नही आ रही तो कही वाटर हार्वेस्टिंग लगते नजर नही आ रहे है ऐसे मे कैसे पानी को रोका जा सकेगा।

करना ये चाहिये

* बारिश पूर्व जलस्त्रोतों की सफाई।
* हैंडपंपो के समीप सोख्ता गड्ढो का निर्माण।
* जलस्त्रोतों को रिचार्ज करने की व्यवस्था।
* जल सहेजने लोगो को जागरूक किया जाए।
* वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम घरो पर लगाना अनिवार्य हो।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में व्याप्त अनिमितिताओं को लेकर आक्रोश

विद्यार्थी परिषद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जो कि विश्व का सब से बड़ा छात्र संगठन होने के नाते छात्र हित, राष्ट्र हित एवं सामाजिक में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करता आ रहा है। वर्तमान में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में चल रहे परीक्षा एवं प्रैक्टिकल में आ रहीं नकल प्रकरण की जानकारी विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक प्रणव मिश्रा एवं अन्य कार्यकर्ताओं के संज्ञान में आती है उस समय जब जिला संयोजक एवं अन्य कार्यकर्ता पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पहुचते है तो वहाँ के प्राध्यापक सतेंद्र सिंह द्वारा चल रहे द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल के बीच से सभी को बाहर लाकर विरोध ज्ञापित करते है जब नकल को लेकर कार्यकताओं द्वारा

CCTV की जांच कराने की बात की जाती है तो प्राचार्य का हवाला देते हुए कैमरा चेक नही कराया जाता एवं कार्यकताओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। उसके बाद कल दिनांक 18.07.2025 को होने वाले प्रैक्टिकल में जब जानकारी होती है कि विद्यार्थी परीक्षा में नकल कर रहे है उस समय प्राचार्य से **CCTV** चेक करने की बात की गयी तब उनके द्वारा जिला संयोजक प्रणव मिश्रा एवं अन्य कार्यकताओं से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए एवं वहां के प्राध्यापक सतेंद्र सिंह द्वारा चल रही प्रयोगिक परीक्षा में विद्यार्थियों को बीच से लाकर प्राचार्य ऑफिस पास विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का विरोध किया जाता है एवं आशीष कुमार मिश्रा जो कि उसकी परीक्षा ना होने के बाद भी महाविद्यालय में उपस्थित होकर अभद्र भाषा प्रयोग करते हुए धमकी दी गई एवं उसके द्वारा विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक प्रणव मिश्रा एवं अन्य कार्यकताओं को आसाजिक तत्व कहकर उनकी शिकायत को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई गई जिससे महाविद्यालय में चल रहे नकल प्रकरण को रोक ना जा सके। इस शिकायत मे महाविद्यालय राजू परस्ते (प्राचार्य), सतेंद्र सिंह (प्राध्यापक) एवं छात्र आशीष कुमार मिश्रा की मिली भगत है। जिसकी सत्यता हेतु महाविद्यालय में स्थित **CCTV** फुटेज की जाँच की जा सकती हैं **ABVP** के कार्यकर्ताओं का कहना है कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में चल रहे इस नकल प्रकरण की जाँच कर राजू परस्ते (प्रचार्य), सतेंद्र सिंह (प्राध्यापक) एवं छात्र आशीष कुमार मिश्रा के ऊपर उचित कार्यवाही की जाय। यदि जल्द ही इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन को सफल बनाने में विद्यार्थी परिषद के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहर से गांवों तक बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

बारिश से बढ़ी मच्छरों की फौज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

बारिश और कीचड़ के साथ ही संक्रामक बीमारियों के संवाहक मच्छरो की बाढ़ सी आ गई है। अस्पतालो मे रोजना बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दस्त, हरारत, पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ितो की आमद बढ़ गई है। बदल रहे मौसम के साथ मच्छरो की संख्या में इजाफा हो रहा है, वही शाम होते ही लगभग सभी जगहों पर मच्छर मंडराने लगते है, घरों में तो दिन में भी मच्छरो से लोग त्रस्त रहते है। यह स्थिति इसलिए भी उत्पन्न हुई है कि मलेरिया व मच्छरो की रोकथाम करने वाले विभाग की तरफ से भी अभी इस दिशा में कोई कवायद नही शुरू की जा सकी है, जिसका परिणाम है कि गांव- गांव बीमारी फैल रही है।

गंदगी से बढ़ रहे मच्छर

नगर सहित कई गॉवों में कूडे के ढेर

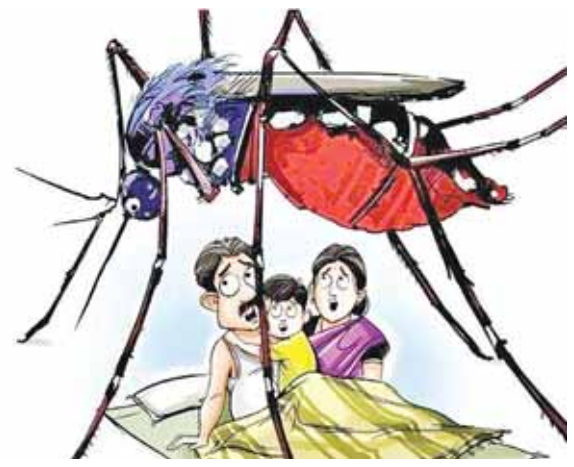

लगने से बदलते मौसम में वातावरण प्रदूषित हो रहा है अनेक गांवो में साफ सफाई की कमी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की जानकारियॉ भी मिल रही है और मच्छरो की फौज बढ़ रही है। मच्छरों के प्रकोप से छुटकारा पाने के लिए लोग पड़ी गंदगी को हटाने की मांग कर रहे है।

मलेरिया विभाग नदारद

शहर व गांववासी अब मलेरिया विभाग की ओर निगाह लगाये हुए है ताकि शीघ्रता से इस समस्या की ओर ध्यान दिया जाए और क्षेत्रवासियों को मच्छरों के प्रकोप से छुटकारा मिल सके, क्योंकि मौसम के बदलने के साथ ही मच्छरो का प्रकोप चरम पर पहुॅच जाता है और जैसे-जैसे बारिश का आगमन होता है, इनकी संख्या में दिन प्रतिदिन इजाफा होता है।

कहां गई नपा की फागिंग मशीन

मच्छरो के प्रकोप से नगरवासियों को बचाने बारिश के मौसम में फागिंग मशीन का उपयोग किया जाता है ताकि मच्छरो की संख्या में बेतहाशा इजाफा नही हो सके और इनका प्रकोप बढ़ने से रोका जा सके, मगर अभी तक फागिंग मशीन सिर्फ शोपीस की तरह ही रखी हुई है। इसका कब इस्तेमाल किया जायेगा यह कहना मुश्किल है। जिसके चलते शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

हजारों कांवड़ियों ने मां नर्मदा के पावन जल से जालेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

सावन के दूसरे सोमवार को गूंजा बोल बम, श्रद्धा का उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

श्रावण मास की पुण्यधारा में आज पावन नगरी अमरकंटक आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रही। कामिका एकादशी एवं सावन के दूसरे सोमवार के दिव्य संयोग पर, प्रातः 5 बजे से ही भक्तों का जनसैलाब नर्मदा उद्गम कुंड पर उमड़ पड़ा। सिर पर कावड़, हृदय में आस्था, और होंठों पर "बोल बम, बोल बम" का घोष लिए हजारों श्रद्धालु नंगे पांव 8 किलोमीटर की पदयात्रा कर भगवान जालेश्वर महादेव के दरबार पहुँचे।

हर-हर महादेव के जयघोष से अमरकंटक की पवित्र वादियाँ गूंज उठीं। श्रद्धालुजनों ने पवित्र नर्मदा जल से शिवलिंग का जलाभिषेक कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। रामघाट, कोटि तीर्थ और गांधी कुंड पर भक्तों ने पवित्र डुबकी लगाई, नर्मदा स्नान कर पूजन-अर्चन, दर्शन एवं अभिषेक में लीन हो गए। सावन का दूसरा सोमवार है, जिसके लिए जिले के अलग-अलग शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। सावन सोमवार भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का विशेष दिन माना जाता है। इस दिन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता भी है। इस दिन सभी

शिव मंदिरों जयकारों की गूंज सुनाई देंगी। आज महिलाएं व्रत रखेंगी। सोमवार व्रत धारण करने वाली महिलाएं और युवतियां भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगेंगी। इस दिन शिव मंदिरों में सुबह से जलाभिषेक के लिए भीड़ उमड़ेगी। सावन में शिव भक्तों के द्वारा अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, भजन कीर्तन के साथ विशेष पूजा के आयोजन भी किए जाएंगे। सावन माह भोलेनाथ का प्रिय माह है। पूजा पाठ, अनुष्ठान, तीर्थ स्थल दर्शन से पुण्य कामों का खास फल मिलता है। सावन मास भक्तों के लिए बहुत ही शुभ फलदायक माना गया है। इस शुभ अवसर पर नर्मदा उद्गम परिसर स्थित 11 रुद्र महादेव एवं अन्य शिवालयों में भी आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर प्रांगण भक्तों से खचाखच भरा रहा। शाम 7 बजे तक श्रद्धालु कतारबद्ध होकर दर्शन-पूजन करते रहे। विशेष बात यह रही कि छत्तीसगढ़ राज्य की पंडरिया विधानसभा की लोकप्रिय विधायक सुश्री भावना बोहरा ने भी अपने समर्थकों और स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ नर्मदा उद्गम कुंड में विधिवत कावड़ पूजन किया। इसके पश्चात उन्होंने नंगे पांव पैदल यात्रा करते हुए जालेश्वर धाम पहुँचकर भगवान शिव का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया(पूजन के इस पावन क्रम में फलाहारी आश्रम के प्रमुख जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजेश्वर माऊली सरकार भी विधायक के साथ उपस्थित रहे। कावड़ यात्रियों की विधिपूर्वक पूजा नगर के प्रमुख पुजारी उमेश द्विवेदी 'बंटी महाराज' द्वारा संपन्न कराई गई।

पावन सावन मास के इस विशेष दिन पर अमरकंटक नगरी की हर एक गली, मंदिर और घाट भक्ति भाव से झूम उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं भगवान शिव ने भक्तों की आस्था को अपनी बाहों में समेट लिया हो।

नगर के व्यापारी आशीष ताम्रकार से साइबर ठगी एवं डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से ठगी

45 लाख रुपए ठगे जाने के मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आने लगे

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पीड़ित व्यापारी शिक्षित होने के साथ इंदौर से कोचिंग करते हुए 2 बार एमपीपीएससी फाइट कर प्री एवं मेंस में सफल होकर इंटरव्यू में जा चूके गए। जालसाज इतने शातिर रहे कि पढ़े लिखे होशियार व्यापारी को वर्षों तक अपने जाल में फसाते हुए फोन पे एवं अन्य साधनों से खातों में मोटी रकम लेते रहे।

तनाव से हुआ हृदयाघात

पीड़ित आशीष ताम्रकार ने बताया कि ठगो के द्वारा लगातार केस दर्ज कर जेल भेजने की धमकी देकर रुपए की मांग की जाती रही। मानसिक एवं आर्थिक शोषण होने से पूरी तरह तनाव एवं डिप्रेशन में रहने के कारण वर्ष 2022 में अचानक हार्टअटैक भी आ गया। उपचार के दौरान चार लाख रुपए खर्च करना पड़ गया साथ ही 6 महीने तक बेड रेस्ट लेना पड़ा। कर्ज लेकर भी रुपए जमाः बताया जाता है कि व्यापारी की बाजार में अच्छी दुकानदारी चल रही थी लेकिन वायदा बाजार में निवेश के

हरिभूमि
लाख से ज्यादा की ठगी के आरोपी सौरभ शर्मा को विदिशा से पुलिस ने किया गिरफ्तार

दौरान जालसाजों के चंगुल में फंसने के बाद जहां लगातार रुपए ठगे जाने से दुकान का व्यापार प्रभावित हो गया एवं उसके बाद मजबूरी में मनमाने ब्याज दरों में कर्ज लेना पड़ा। वाट्सअप कॉल ज्यादा होती रहीः लंबे समय तक चले ऐसे साइबर ठगी मामले में अलग अलग आरोपी ज्यादातर व्हाट्सएप कॉल का उपयोग करते रहे जो अपने आप को जज एवं पुलिस अधिकारी बताकर डराते धमकाते रहे। हवाला के रकम में फंसने की धमकी देकर बात नहीं मानी तो पैसा भी जाएगा और जेल भी जाना पड़ सकता है। डिजिटल अरेस्ट के दौरान कुछ सूदखोरो ने जाल में फंसाकर चेक बुक भी अपने पास जप्त कर लिया। पिता है सत्ता पक्ष के बड़े नेताः फरियादी जहां शिक्षित होने के बाद भी साइबर ठगी एवं डिजिटल अरेस्ट गिरोह के शिकार हो गए। ठगो के चंगुल में फंसने से आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हुई। पीड़ित के पिता अवधेश ताम्रकार पूर्व में सत्ता पक्ष के प्रथम जिला अध्यक्ष हुआ करते थे। पूरा परिवार प्रतिष्ठित माना जाता है। आरोपी सौरभ शर्मा को पुलिस द्वारा अभिरक्षा के दौरान लगातार पूछताछ कर अन्य आरोपियों के बारे में सुराग जुटाते हुए पूरे मामले के पर्दाफाश करने में जुटी हुई है।

इनका कहना

पीड़ित से लगातार संपर्क बनाते हुए उसको डिजिटल अरेस्ट से मुक्त करा लिया गया है। आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है, फरार आरोपियों के गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं।

रत्नांबर शुक्ला
थाना प्रभारी कोतमा

अमरकंटकः मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति बनी जनसमस्या का

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। अमरकंटक नगर के वार्ड क्रमांक 2 में स्थित मुख्य सड़क की अत्यंत जर्जर स्थिति इन दिनों क्षेत्रवासियों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन चुकी है। यह सड़क न केवल वार्ड क्रमांक 1, 3 और 4 को जोड़ती है, बल्कि नगर को स्टेट हाईवे से भी जोड़ती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस मार्ग की मरम्मत को लेकर कई बार प्रशासन को शिकायत दी गई, परंतु अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा केवल लीपापोती की गई, जिससे पहली ही बारिश में सड़क की परतें उखड़ गईं। इस सड़क से प्रतिदिन स्कूली बच्चे, बुजुर्ग एवं मरीजों को गुजरना पड़ता है, जिन्हें गड्ढों और कीचड़ से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों से भरी यह सड़क दुर्घटनाओं को भी आमंत्रित कर रही है। यह उल्लेखनीय है कि यह सड़क मिनी स्मार्ट सिटी अमरकंटक योजना के अंतर्गत बनाई गई थी, किंतु समय पर रखरखाव न होने के कारण इसका यह हाल हो गया है। क्षेत्रवासियों की प्रशासन से मांग है कि इस सड़क की मरम्मत शीघ्र एवं गुणवत्ता के साथ कराई जाए, और लापरवाह ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं से बचा जा सके।